

পাট ও সমবর্গীয় তন্তু ফসল চাষীদের জন্য কৃষি পরামর্শ

প্রকাশনা

ভা.কৃ.অনু.প- ক্রিজাফ, নীলগঞ্জ, ব্যারাকপুর

৭-২১ মার্চ, ২০২২ (সংস্করণ সংখ্যাঃ ০৫/২০২২)



ভা.কৃ.অনু.প. -কেন্দ্রীয় পটসন এবং সমবর্গীয় রেশা অনুসন্ধান সংস্থান
ICAR-Central Research Institute for Jute and Allied Fibers

An ISO 9001: 2015 Certified Institute
Barrackpore, Kolkata-700120, West Bengal

www.icar.crijaf.gov.in



पाट ओ सहयोगी फसल उतुपादनकारी चाषिदेर जन्य कृषि-परामर्श
१-२१ मार्च, २०२२

I. पाट उतुपादनकारी राज्याकुलिर एइ समयेर सञ्जाव्य आवहाओयार परिस्थिति

राज्या/ कृषि-जलवायु अखणल/ जेला	आवहाओयार पूर्वाभास
गाङ्गेय पश्चिमवङ्ग मुर्शिदाबाद, नदिया, हुगली, हाओड़ा, उतुतर २४ परगना, पूर्व वर्धमान, पश्चिम वर्धमान, दक्षिण २४ परगना, बाँकुड़ा, वीरभूम	आगामी १०-१७ मार्च वृष्टिर् सञ्जावना नेइ। सर्वोच्च तापमात्रा ३५-३८ डिग्रि एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा २२-२५ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर् मतो थकवे।
हिमालय सन्निहित पश्चिमवङ्ग दार्जिलिङ, कोचबिहार, आलिपुरदुयार, जलपाईगुड़ी, उतुतर दिनाजपुर, दक्षिण दिनाजपुर, मालदा	आगामी १०-१७ मार्च वृष्टिर् सञ्जावना नेइ। एइ अखणले सर्वोच्च तापमात्रा ३१-३३ डिग्रि एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा १९-२० डिग्रि सेन्टिग्रेडेर् मतो थकवे।
आसामः मध्य ब्रह्मपुत्र उपत्याका क्षेत्र मरिगाँव, नओगाँव	आगामी १०-१७ मार्च वज्रविदुतुसह वृष्टिर् सञ्जावना (मोट वृष्टिर् परिमान १० मिलिमिटारेर् मतो)। सर्वोच्च तापमात्रा ३०-३२ डिग्रि एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा १८-१९ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर् मतो थकवे।
आसामः निम्न ब्रह्मपुत्र उपत्याका क्षेत्र गोयालपाड़ा, धुवडि, कोकड़ाबाड़, बङ्गाईगाँव, वरपेटा, नलवाड़ि, कामरूप, बाङ्गा, चिराङ्ग	आगामी १०-१७ मार्च वज्रविदुतुसह हलका वृष्टिर् सञ्जावना (मोट वृष्टिर् परिमान ३ मिलिमिटारेर् मतो)। सर्वोच्च तापमात्रा ३०-३२ डिग्रि एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा १९-१८ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर् मतो थकवे।
बिहारः कृषि-जलवायु अखणल २ (उतुतर-पूर्व अखणल) पूरुणिया, काटिहार, सहर्ष, सुपौल, माधेपुरा, खागारिया, आरारिया, किषाणगङ्ग	आगामी १०-१७ मार्च वृष्टिर् सञ्जावना नेइ। सर्वोच्च तापमात्रा ३२-३७ डिग्रि एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा २०-२२ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर् मतो थकवे।
उड़ियाः उतुतर-पूर्व तटीय समभूमि वालेश्वर, भद्रक, जाजपुर	आगामी १०-१७ मार्च वृष्टिर् सञ्जावना नेइ। सर्वोच्च तापमात्रा ३७-४० डिग्रि एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा २१-२२ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर् मतो थकवे।
उड़ियाः उतुतर-पूर्व ओ दक्षिण-पूर्व समतल अखणल केन्द्रपाड़ा, खुर्दा, जगत्सिंहपुर, पुरी, नयागड़, कटक (आंशिक) एवंग गङ्गाम (आंशिक)	आगामी १०-१७ मार्च वृष्टिर् सञ्जावना नेइ। सर्वोच्च तापमात्रा ३५-३८ डिग्रि एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा २१-२३ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर् मतो थकवे।

तथ्य सूत्रः भारतीय आवहाओया विभाग (<https://mausam.imd.gov.in> एवंग www.weather.com)

II. पाट फसलेर जन्य कृषि परामर्श

पाट लागानोर आगेर काज

- साधारणत मार्चेर शेष सपुत्राह थेके पाट लागानोर सुपारिश करा हय। पाट लागानोर १५ दिन आगे गभीर चाष दिये माटिके रोद खाओयाते हवे। एते माटि थेके आसा रोग-जीवाणु एवंग माटिते थाका पोका-माकडेर प्रकोप कमवे। ताछाडा आगेर फसलेर गोडा/शिकड परिसकार हवे ओ आगाछाओ कम हवे।
- उडुनर वडेर माटिते येखाने अडुनर परिमान अपेक्षाकृत बेशि, सेखाने पाट लागानोर एक मास आगे हेक्टर प्रति ५ टन हिसावे चुन प्रयोग करते हवे। ताछाडा हेक्टरप्रति ५ टन खामार सार (जैव सार) जमिर माटिर सडे भालोभावे मिशिये दिते हवे।
- एहि समये कालबैशाखीर प्रभावे वृष्टि र सडुवा नाछे। तहि जमिर स्वाभाविक टाल बराबर १० मिटार दूरे दूरे जलनिकाशि नाला तैरी करे राखते हवे।



पाट लागानोर कमपक्षे १५ दिन आगे गभीर चाष दिये माटिके रोद खाओयाते हवे



गभीरभावे चाष देओया जमिते, सेच दिये आगाछा दमनेर जन्य चाष देओया।
जमिर टाल बराबर सेच नालि तैरी करा।

III. अन्यान्य सहयोगी तन्त्र फसলের कृषि परामर्श क) सिसाल

भूमिका: सिसाल (एगोभ सिसालाना) प्राय-बह्वर्षजीवी पाता থেকে तन्त्र উৎপাদনকারী মরুজাতীয় উদ্ভিদ। সিসালের তন্ত্র থেকে তৈরী দড়ি বিভিন্ন ধরনের জলযান (জাহাজ, লঞ্চ, বড় নৌকা ইত্যাদি) বাঁধার কাজে ব্যবহৃত হয়। ব্রাজিল সিসাল তন্ত্র উৎপাদনে ও রপ্তানিতে প্রথম স্থান অধিকার করে, আর চীন সব থেকে বেশি সিসাল আমদানি করে। ভারতের উড়িষ্যা, তেলেঙ্গানা, কর্ণাটক, মহারাষ্ট্র ও পশ্চিমবঙ্গের মরুপ্রায় অঞ্চলে সিসাল চাষ হয়ে থাকে। ভারতে সিসালের মোট জমির পরিমাণ প্রায় ৭৭৭০ হেক্টর, যার মধ্যে ৪৮১৬ হেক্টর সিসাল, মাটি ও জল সংরক্ষণের জন্য ব্যবহৃত হয়। ভারতে সিসালের হেক্টর প্রতি গড় উৎপাদন অনেকটাই কম (৬০০-৮০০ কেজি), তবে সঠিক পদ্ধতি অনুসরণ করে চাষ করতে পারলে হেক্টর প্রতি উৎপাদন অনেকটাই বাড়ানো সম্ভব (২০০০-২৫০০ কেজি)। এই ফসলে জলের প্রয়োজন অনেক কম এবং মধ্যভারতের মালভূমি অঞ্চলের মাটি ও আবহাওয়া (সর্বোচ্চ তাপমাত্রা ৪০-৪৫ ডিগ্রি, বৃষ্টিপাত ৬০-১০০ সেমি) সিসালের জন্য উপযোগী, ও গ্রামীন অঞ্চলের আর্থিক ও সামাজিক উন্নয়নে বিশেষ সহায়ক হতে পারে। সিসাল চাষ এই অঞ্চলের উপজাতি মানুষদের জীবিকা সরাসরি ও কর্মসংস্থানের মাধ্যমে উন্নয়ন করতে পারে। এছাড়াও সিসাল বৃষ্টির জলের বয়ে যাওয়া অপচয় ৩৫ শতাংশ ও ভূমিক্ষয় ৬২ শতাংশ কম করতে সক্ষম।

মাধ্যমিক নার্সারির পরিচর্যা

➤ নার্সারির জল নিকাশি ব্যবস্থা করবেন ও নার্সারি আগাছা মুক্ত রাখবেন। সুস্থ্য সাকার পাবার জন্য মেটালাক্সিল ২৫ শতাংশ এবং ম্যানকোজেব ৭২ শতাংশ মিশ্রণ ০.২৫ শতাংশ হারে স্প্রে করে অন্তরবর্তী পরিচর্যা করতে হবে। উদ্ভিদ খাদ্যোপাদান যোগান ও আগাছা দমনের জন্য সিসাল কম্পোস্ট ব্যবহার করা যেতে পারে। যে সব চাষীদের মাধ্যমিক নার্সারি তৈরী বাকি আছে, তারা প্রাথমিক নার্সারিতে বড় করা বুলবিল, মাধ্যমিক নার্সারিতে ৫০-২৫ সেমি দূরত্বে লাগাবেন। বুলবিল লাগানোর আগে পুরানো পাতা ও শিকড় কেটে বাদ দিয়ে ২০ মিনিট ম্যানকোজেব (৬৪ শতাংশ) ও মেটালাক্সিল (৮ শতাংশ) মিশ্রণ ২.৫ গ্রাম প্রতি লিটার জলে মিশিয়ে প্রয়োগ করতে হবে। এক হেক্টর নার্সারিতে ৮০,০০০ সাকার লাগানো যায় তবে শেষ পর্যন্ত ৭২,০০০-৭৬,০০০ সাকার বাঁচে। ধরে নেওয়া হয় যে মাধ্যমিক নার্সারিতে ৫-১০ শতাংশ চারা মরতে পারে।

সিসালের মূল জমি থেকে সাকার সংগ্রহ

➤ প্রাথমিক ও মাধ্যমিক নার্সারির মাধ্যমে বুলবিল থেকে সাকার তৈরীর পাশাপাশি, আগে থেকে লাগানো সিসালের মূল পুরানো জমি থেকে সাকার সংগ্রহ করা যাবে। সাধারণত একটি সিসাল গাছ থেকে বছরে ২-৩ টি সাকার পাওয়া যায়। বর্ষার শুরুতে এইসব উপযুক্ত সাকার তুলে - সরাসরি নতুন মূল জমিতে লাগানো যাবে। সাকার লাগানোর আগে পুরানো শিকড় ছেঁটে ফেলতে হবে ও শুকিয়ে যাওয়া পাতা ফেলে দিতে হবে। তবে খেয়াল রাখতে হবে যে শিকড় ছেঁটে ফেলার সময়, সাকারের গোড়ার অঞ্চল যেন ক্ষতিগ্রস্ত না হয়।

নতুন সিসাল খেতের পরিচর্যা

➤ এক-দুই বছর বয়সের সিসাল ক্ষেতে আগাছা নিয়ন্ত্রণের ব্যবস্থা করতে হবে, যাতে সিসালের জল ও খাদ্যের জন্য আগাছার সঙ্গে প্রতিযোগিতা কমে যায়। জেরা রোগের প্রাথমিক লক্ষণ দেখা গেলে - কপার অক্সিক্লোরাইড ৩ গ্রাম প্রতি লিটারে বা ম্যানকোজেব ৬৪ শতাংশ ও মেটালাক্সিল ৮ শতাংশ মিশ্রণ ২.৫ গ্রাম প্রতি লিটার জলে মিশিয়ে প্রয়োগ করতে হবে। সঠিক বৃদ্ধি ও ফলনের জন্য হেক্টর প্রতি ২ টন সিসাল কম্পোস্ট এবং ৬০ঃ৩০ঃ৬০ কিলো এন.পি.কে. সার প্রয়োগ করতে হবে। প্রথম বছর, সিসাল গাছের চারধারে গোল করে সামান্য গর্ত করে সার প্রয়োগ করতে হবে।



পিট তৈরী ও জোড়সারি পদ্ধতিতে সাকার লাগানো



মাধ্যমিক নার্সারিতে অন্তরবর্তী পরিচর্যা



সিসাল তন্ত্র ছাড়ানো ও ধোওয়া



সিসাল তন্ত্র রোদে শুকানো

मूल जमिने सिमाल लागानो

- पुरानो मूलजमिने सिमाल थेके सरासरी तोला सिमाल साकार ओ माध्यमिक नार्सारी थेके पाओया सिमाल साकार व्यवहार करे सिमाले नतून मूल जमिने चारा लागते पारले भालो हय। माध्यमिक नार्सारीते वड करी साकार, पुरानो पाता ओ शिकड छेँटे मूल जमिने लागते हवे। लागानो आगे म्यानकोजेव ७४ शतांश ओ मेटालाञ्जिल ८ शतांश - २.५ ग्राम प्रति लिटार जले मिशिये २० मिनिटेर जन्तु साकारे शिकड अथल धुये निते हवे। साकार पिटेर गर्तेर मावखाने सूचालो कार्ठीर साहाय्य निये लागते हवे।
- साकारे आकार (साइज) ७० सेमि लम्बा, २५० ग्राम ओजन ओ ५७ टि पाता विशिष्ट हते हवे। ये सब साकारे रोग-पोकार वा अन्य कोनो प्रकार चापेर (खादयेर वा जलेर अभाव युक्त) लक्षण आछे, सेगुलि बाद दिते हवे।
- सिमाल गाछेर द्रुत वृद्धि जन्तु हेक्टेर प्रति ५ टन सिमाल कम्पोस्ट, ७० केजि नाइट्रोजेन, ७० केजि फसफेट, ७० केजि पाटाश दिते हवे। नाइट्रोजेन सार २ वारे दिते हवे - मोट परिमाने अर्धेक वर्षा शुरु आगे, आर बाकि अर्धेक वर्षा चले यावार पर।
- ये सब चाषीर एखनो जमि निर्वाचन करेननि, तादेर जल ना दौंय एमन जमि निर्वाचन करते हवे याते कमपक्के १५ सेमि गभीर माटि थाकते हवे। टालू जमिने सिमाल चाषेर फ्लेक्से, पुरो जमि चाष देवार दरकार नेई।
- आगाछा, बोपवाड परिष्कार करे १ घन फुटेर पिट ३.५ मिटार — १ मिटार-१ मिटार दूरे दूरे वानाते हवे, एते ४,५०० टि पिट हवे येखाने वर्षार शुरुते दूई सारी (डबल रो) पद्धतिते सिमाल लागते हवे। तवे प्रतिकूलपरिस्थितिते ३.० मिटार — १ मिटार-१ मिटार दूरे दूरे पिट करे, प्रति हेक्टेरे ५,००० टि साकार लागानो यावे।
- सिमाले जन्तु तैरी करी पिट, माटि ओ सिमाल कम्पोस्ट दिये भरि करते हवे, याते माटि बुरबुरे थाके। अन्न माटि जमिने हेक्टेर प्रति २.५ टन हारे चून प्रयोग करते हवे। पिटेर गर्तेर मध्ये एमन भावे माटि पूर्ण करते हवे याते १-२ इंचि डूँ हये थाके, एते सिमाल साकार सहजे दौंडाते पारवे।
- माटि रक्ष्य रोध करते, सिमाल साकार जमिने स्वाभाविक चाले आडाआडि ओ समोमति रेखा बराबर लागते हवे। साकार संग्रहरे ४५ दिनेर मध्ये जमिने साकार लागानो सम्पूर्ण करते हवे। लागानो परे हेक्टेर प्रति कमपक्के १०० टि अतिरिक्त साकार आलादा करे राखते हवे, याते प्रयोजने कोनो कारणे खालि यये याओया जायगय आवार सिमाल चारा लागिजे जमिने सिमाल चारार आदर्श संख्या वजाय राखा यय।
- पुरानो मूलजमिने सिमाल थेके सरासरी तोला सिमाल साकारे परिवर्ते, माध्यमिक नार्सारी थेके पाओया सिमाल साकार व्यवहार करे सिमाले नतून मूल जमिने चारा लागते पारले भालो हय।

सिमाल पाता काटा - क्रमशः वातासेर तापमात्रा बेडे याछे, ताई देरी ना करे अविलम्बे सिमाल पाता काटा शेष करते हवे, ता ना हले सिमाल तन्तुर उंपादन कमे यावे। विकेलेर दिके सिमाल पाता काटते हवे एवं चेष्टा करते हवे याते एकई दिने पाता थेके आँश छाडानो हये यय। पाता काटार परे, रोगेर हात थेके सिमाल बाँचाते, कपार अक्लिक्लोरिड २-३ ग्राम/प्रति लिटार जले मिशिये स्प्रे करते हवे।

अतिरिक्त आयेर जन्तु सिमाले सङ्गे अन्तर्वर्ती फसलेर चाष

- दूई सारी सिमाले मावखाने जमिने अन्तर्वर्ती वागिचा फसल हिसावे सबेदा, पेयारा ओ काजुवादाम चाष करे अतिरिक्त आय हते पारे। एई सब वादिचा फसले जीवनादी सेच दिते हवे एवं रोग-पोका थेके सुरक्षार जन्तु व्यवस्था करते हवे।



सिमाले जमिने अन्तर्वर्ती फसल (१) पेयारा, (२) सबेदा, (३) काजुवादाम

सिसाल भित्तिक सुसंहत खामार व्यवस्था

खरा प्रबन आदिवासी अधुषित अषधले सिसाल भित्तिक सुसंहत खामार व्यवस्था लाडजनकभावे करा येते पारे। एते चाषिर आय वाडवे, कर्मसंस्थान हवे ओ दीर्घमेयादि कृषि व्यवस्था पाओया यावे। एही व्यवस्थाय स्थानीय भावे पाओया विभिन्न धरनेर उँसके काजे लागिणे ओ फसलेर अवशिष्टांश व्यवहार करे - यथेष्ठ आयेर संस्थान हवे। एही सिसाल भित्तिक खामार व्यवस्थाय फसलेर पाशापाशि विभिन्न प्राणी पालनेर व्यवस्था रेखे एही सुसंहत खामार व्यवस्था अर्थनैतिक भावे सफल ओ सार्थक भावे रूपायित हते पारे।

- १। एही खामारे १०० टि विभिन्न जातेर मुरगि येमन - बनराजा, रेड रुस्टार, कडकनाथ पालन करे ८,०००-१०,००० टाका निट लाड हते पारे।
- २। चाषिरा एही खामार व्यवस्थाय दुँटि गरू पालन करे प्रति बहर २५,००० टाका अतिरिक्त लाड करते पारेन। सिसाले सडे अश्वरवती फसल हिसावे गोखाद्य चाष, एही गरूर खाओयार जन्य योगान देओया यावे।
- ३। एही व्यवस्थाय १० टि हागल पालन करे प्रति बहर आरो १२,०००-१५,००० टाका अति रिक्त आय हते पारे।
- ४। सिसाले सडे दुँ सारिर माखाने ये उँचू जमिर धान (कादा ना करे शुधु चाष दिये) फलानो हवे, तार खड व्यवहार करे माशरुम चाषेर माध्यमे बहरे १२,००० टाका लाड हते पारे।
- ५। सिसाल चाषेर बर्ज ओ माशरुम तैरीर बर्ज व्यवहार करे भार्मिकम्पोस्त तैरी करे व्यवहार करा यावे, एते माटिर स्वास्थ भालो थाकवे ओ बहरे १८,००० टाका अतिरिक्त लाड हवे।
- ६। सिसाल साधारनत टालु ओ उँचू जमिने लागानो हय - त्ही एही अवस्थाय वृष्टिर जल धरे लाडजनकभावे व्यवहार करा यावे। येहेतु एही अषधले एमनितेही अपेष्काकृत कम वृष्टि हय, त्ही वृष्टिर जल धरार व्यवस्था करे - ए जल दिये अन्यान्य भावेओ आय वृद्धि हते पारे। एक हेक्टेर सिसाले जमिर मात्र एक दशमांश एही जल धरार जन्य व्यवहृत हवे। एही जल धरार पुकुरेर माप हवे ३० मिटार-३० मिटार-१.८ मिटार, आर १.८ मिटार चओडा पाड हवे। एही पुकुरे जल धरे ये ये भावे व्यवहार करे लाडवान हओया यावे ता हलो -
 - सिसाले सडे चाष करा अश्वरवती फसलेर संकटकालीन सेच एही पुकुरेर जल व्यवहार करे देओया यावे। एते एही सब फसलेर उँपदन ओ आय वाडवे।
 - एही जल व्यवहार करे सिसाले आँश छाडानोर परे थोया यावे।
 - पुकुरेर पाडे विभिन्न उँचतार फसल येमन - पेपे, कला, नारकेल, सजने एवं अन्यान्य सज्जि चाष करे प्रति बहर १५,०००-२०,००० टाका आय हते पारे।
 - मिश्र माछ चाष पद्धतिने कातला, रुई, मृगेल चाष करे प्रति बहर १०,०००-१२,००० टाका आय हते पारे।
 - एही जले १०० टि हाँस पालन करे प्रति बहर प्राय ८००० टाका आतिरिक्त आय हते पारे।



उडिष्यार सखलपुर जेलार वामडाय सिसाल भित्तिक सुसंहत खामार व्यवस्था

ख) रेमि



- এই সময় চাষিরা রেমির নতুন খेत শুরু করতে পারেন। পুরানো রেমির জমিতে - অসমান ভাবে বেড়ে ওঠা রেমি কাণ্ডগুলি সমান ভাবে কেটে ফেলতে হবে (স্টেজ ব্যাক), তারপর সার প্রয়োগ ও জলসেচ দিতে হবে।
- হাজারিকা (আর-১৪১১) জাতের ভালো গুণমানের রাইজোম বা কাণ্ড থেকে তৈরী চারা ব্যবহার করে রেমি মূল জমিতে লাগাতে হবে। লাগানোর আগে রাইজোম অন্তর্বাহী ছত্রাকনাশক (যেমন কার্বেন্ডাজিম) দ্বারা শোধন করতে হবে।
- রেমি লাইন বা সারি করে লাগাতে হবে। প্রতি হেক্টর জমির জন্য ৮ কুইন্টাল রেমি রাইজোম লাগবে, এবং কাণ্ড থেকে তৈরী চারা হলে ৫৫-৬০ হাজার টি চারা লাগবে।
- জমির মাটি ৩-৪ বার আড়াআড়ি ভাবে চাষ দিয়ে তৈরী করতে হবে। রেমি যেহেতু একদম জল দাঁড়ানো সহ্য করতে পারে না, তাই রেমির জমিতে অবশ্যই নিকাশি ব্যবস্থা তৈরী করে রাখতে হবে। ৪-৫ সেমি গভীর নালি তৈরী করে তার মধ্যে ৩০ সেমি দূরে দূরে ১০-১৫ সেমি লম্বা রাইজোম বা প্রমান সাইজের কাণ্ড থেকে তৈরী চারা লাগাতে হবে। সাধারণত সারি থেকে সারির দূরত্ব হবে ৭৫-৯০ সেমি। তবে রেমির যথেষ্ট বৃদ্ধির জন্য সারি থেকে সারির দূরত্ব হবে ১ মিটার রাখা যেতে পারে।
- দুই সারি রেমির মাঝখানের জায়গায় স্থানীয় চাষিদের পছন্দ অনুযায়ী অল্পদিনে ফলন দেয় এমন ফসল চাষ করা যেতে পারে। তবে অনেক ক্ষেত্রে রেমির সঙ্গে আনারস, পেঁপে, সুপারি ইত্যাদিও চাষ করা যায়।
- রেমি ফসলের সঠিক বৃদ্ধির জন্য ও মাটির স্বাস্থ্য বজায় রাখার জন্য অজৈব সারের সঙ্গে জৈব সার (খামার সার বা রেমি কম্পোস্ট) প্রয়োগ করার সুপারিশ করা হয়। লাগানোর ৪০-৫০ দিন পর নাইট্রোজেনঃ ফসফেটঃ পটাশ ২০ঃ১০ঃ১০ কিলো/ প্রতি হেক্টরে প্রয়োগ করার সুপারিশ করা হয়। এর পর, প্রত্যেক বার রেমি কাটার পর, হেক্টর প্রতি ৩০ঃ১৫ঃ১৫ কিলো, এনঃপিঃকে সার দিতে হবে। রেমি লাগানোর ১৫-২০ দিন আগে হেক্টর প্রতি ১০-১২ টন হারে খামার সার প্রয়োগ করতে পারলে ভালো হয়।
- পোকা-মাকড় ও রোগের আক্রমণের মাত্রানুসারে, যথাক্রমে, ০.০৪ শতাংশ ক্লোরপাইরিফস্ এবং ম্যানকোজেব্ ২.৫ মিলিলিটার প্রতি লিটার জলে বা প্রোপিকোনাজোল্ ১ মিলিলিটার প্রতি লিটার জলে মিশিয়ে স্প্রে করতে হবে।
- ষাসজাতীয় আগাছা নিয়ন্ত্রণের জন্য, কুইজালোফপ্ ইথাইল্ (৫ শতাংশ) ৪০ গ্রাম (সক্রিয় মাত্রা) প্রতি হেক্টর জমির জন্য জলে মিশিয়ে স্প্রে করতে হবে।
- রেমি জল জমা সহ্য করতে পারে না। তাই জমি তৈরীর সময় জল নিকাশী নালী তৈরী করে রাখতে হবে এবং বেশি বৃষ্টির সময় অতিরিক্ত জল বের করে দিতে হবে।



রেমি প্ল্যান্টেশন



রেমি ফসল কাটা



রেমির আঁশ ছাড়ানো



রেমি কাটার পর জঙ্গল জিম চালিয়ে
আগাছা পরিষ্কার



বাছাই ক্ষমতাহীন রাসায়নিক
আগাছানাশক (নন-সিলেক্টিভ
হার্বিসাইড) প্রয়োগ



ছাড়ানো রেমি তন্তু (আঠা সহ)

(ग) फ्लाक्क
(तन्त्र मसिना)



भूमिका: फ्लाक्क वा तन्त्र मसिनार (लिनार्क उर्सिटाटिसिमा एल.) आँश हालका हलदे रण्येर, १० शतांश सेलुलोज समृद्ध, ताप रोधी, अ्यालार्जि ह्य ना, शरीरे स्थिर तडिं उंपादन करे ना ओ ब्याकटिरियार वृद्धिरे बाधा देय। एहि तन्त्र चाषेर जन्य ५०-१०० डिग्रि फारेनहाईट तापमात्रा, बेशि वृष्टि ओ तुषारपात ना हओया दोयास माटि अषण्ल निर्वाचित करा प्रयोजन। एमन आदर्श आवहाओया ओ माटि - हिमालय समिहित अषण्लेर जम्मु ओ काश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उतराखण्ड, उतर प्रदेशेर उतराषण्ल, पश्चिमबङ्गेर उतराषण्ल ओ पूर्व-भारतेर बेश कयेकटि राज्जे पाओया यय। भारतेर एहि सब अषण्ले फ्लाक्क चाषेर आदर्श माटि ओ जलवायु थाका स्वत्वेओ, फ्लाक्क चाष बेशेय प्रसार लात करेनि। एर प्रधान कारणणुलि हल - निर्दिष्ट अषण्लेर जन्य उच्च-फलनशील जात ओ विज्ञानसम्मत उंपादन प्रयुक्तिर अभाव।

- ❖ वर्तमाने एहि फसल बीज आसा अवस्थाय आछे। एसमय यदि जमिरे जलेर अभाव देखा देय, तबे हालका सेच देओया येते पारे।
- ❖ किछु किछु अषण्ले कल्मी जातीय (कनडलुलास आरभेन्सिस, फिल्ड बाइन्ड उईड) आगाछार प्रकोप हते पारे। जमिरे एहि आगाछा देखा गेले, तुले नष्ट करे फेलते हबे।



समयमते लागानो फसलेर वर्तमान वृद्धि अवस्था



बीजेर जन्य देरि करे लागानो फसलेर वर्तमान वृद्धि अवस्था

जमिर स्वाभाविक स्थाने पाट पचानोर जल जल्लेर सफ़य एवंग दीर्घमेयादि परिवेशबाक्कव खामार व्यवस्था

- वृष्टि अनियमित वितरण, पाट पाचानोर जल उपयुक्त सर्वसाधारणेर पुकुरेर अभाव, माथाप्रति कम जल्लेर योगान, चाषेर खरच ओ कृषि श्रमिकेर मजुरि वृद्धि, पुकुर - नदी - नाला शुकिजे याओया इत्यादि विवेचना करे देखा याय, चाषिरा पाट ओ मेस्ता पचानोते असुविधार समुथीन ह्छेहन। कम जल्ले एवंग सर्वसाधारणेर पुकुरेर मयला जल्ले क्रमागत पाट पचानोर फल्ले, पाटेर आँशेर मान खाराप ह्छे एवंग आनुर्जातिक बाजारे प्रतियोगिताय टिके थाकते पारहे ना।

बर्षा आसार आगेई पाट पचानोर पुकुर तैरी सम्पूर्ण करते हबे

- पाट काटा ओ पचानोर मरशुमे जल्लेर अभाव दूर करार जल्ले - बर्षा शुरुआ आगेई जून मासे जमिर कोनार दिके स्वाभाविक निचू जायगाय एई पाट पचानोर पुकुर तैरी करते हबे, येथाने मोट वृष्टि बये याओया ७०-८० शतांश वृष्टि जल (या १२००-२००० मिलिमिटर मतो हय) जमा हबे ओ पाट एवंग पचानोर काजे लागबे। एर फल्ले पाट ओ मेस्ता चाषे चाषिदेर लाभ आरो बाडबे।

पुकुरेर माप एवंग एक एकर जमिर पाट पचानोर जल पचन पद्धति

- पुकुरेदर आकार हबे ८० फुट लम्बा, ७० फुट चओडा ओ ५ फुट गभीर। एक एकर जमिर पाट वा मेस्ता एई पुकुरे दु'वार जाग देओया बाबे। पुकुरेर पाडू यथेष्ट चओडा (१.५-१.८ मिटर) हबे, याते पेँपे, कला ओ सज्जि लागानो याय। एई खामार प्रणालि/ व्यवस्थाय पुकुर ओ तार पाडू निजे मोट आयतन १८० बर्ग मिटर हबे। चाषिरा यदि एई खामार प्रणालिते आरो बेशि परिमाने जमि व्यवहारे इच्छुक, ताहले पुकुरेर माप ५० फुट-७० फुट-५ फुट हते पारे।
- पुकुरेर भितरेर दिके १५०-३०० माइक्रनेर कृषिते व्यवहार योग्य पलिथिन दिजे टेके दिते हबे याते पुकुरेर जल चुईये वा निचे चले गिये नष्ट ना हय।
- एकसङ्गे तिनटि जाक तैरी करते हबे एवंग एक एकटि जाके तिटि करे सुतर थाकबे। पुकुरेर तलार माटि थेके जाक २०-३० सेन्टिमिटर उपरे थाकबे एवंग जाकेर उपर २०-३० सेन्टिमिटर जल थाकबे।

जमि तेई तैरी पचन पुकुरेर सुविधा

- प्रचलित पद्धतिते पचानोर स्फेद्रे पाट केटे पचानोर पुकुरे बये निजे याओयार खरच एकर प्रति ८०००-५००० टाका एई पद्धतिते साश्रय हबे।
- प्रचलित पद्धतिते १८-२१ दिने पाट पचे; किन्तु एई नतून पद्धतिते एकरे १८ केजि क्राइजफ सोना व्यवहार करे १२-१५ दिने पाट पचे बाबे। द्वितीय बार पचानोर समय क्राइजफ सोना अर्धेक लागबे एवंग एते ८०० टाका खरच बाँचबे।
- पाट पचानोर जल वृष्टि नतून धरा जल व्यवहार करले वा एँ समय वृष्टि हले - धीरे बये चला जल पाओया बाबे एवंग आँशेर गुनमान कमपक्के १-२ ग्रेड उन्नत हबे।

तैरी करा पुकुरे पाट ओ मेस्ता पचानो छाडाओ वृष्टि धरा जल आरो विभिन्न उपाये व्यवहार करा बाबे -

- १। विभिन्न उच्चतार वागिचा फसल व्यवस्थाय माध्यमे पेँपे, कला, अन्यान्य सज्जि चाष करे प्रति ट्याक्के प्राय १०,०००-१२,००० टाका लाभ हबे।
 - २। वायुते श्वास निते पारे एमन माछ येमन - तिलापिया, मागुर, शिषि माछ चाष करे ५०-६० केजि माछ पाओया येते पारे।
 - ३। एई व्यवस्थाय मोमाछि पालन करा बाबे (प्रति ट्याक्के लाभ ९,००० टाका) एवंग एते बीज उपादने परागमिलने सुविधा हबे।
 - ४। माशरुम चाष, भार्मिकम्पोस्ट तैरी करे आय हते पारे।
 - ५। एई पुकुरे प्राय ५० टि हाँस पालन करे ५,००० टाका अतिरिक्त आय हते पारे।
 - ६। पाट पचानो जल, पाटेर सङ्गे फसलचक्रे लागानो सज्जि ओ अन्यान्य फसल्लेर सेचेर जल्ले व्यवहार करा बाबे एवंग प्रति एकरे ८,००० टाका अतिरिक्त लाभ हते पारे।
- सुतरां जमि ते एई पद्धतिते पुकुर वानिये, मात्र १,०००-१,२०० टाकार पाटेर क्षति करे, चाषिरा अनेक धरनेर फसल फलिये, प्राणी-मत्स-मोमाछि पालन करे प्राय ७०,००० टाका आय करते पारेन। एछाडाओ एई पद्धतिते चाषेर फल्ले बहनेर खरच प्राय ८,०००-५,००० टाका बाँचबे। सेई सङ्गे एई प्रयुक्ति, चाषबासे चरम आवहाओयार - येमन खरा, बन्या, घुर्षिबाडू इत्यादिर क्षतिकर प्रभाव कम करते सम्भम।

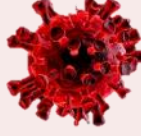
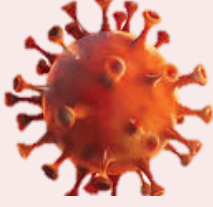


पाट ओ मेस्ता चाषे जमिर स्वाभाविक स्थाने जलाधार भित्तिक परिवेशवाक्व स्वनिर्भर खामार व्यवस्था

- ❖ पाट/ मेस्ता पचानो
- ❖ माछ चाष
- ❖ पाडे सज्जि चाष
- ❖ पुकुरेर धारे भार्मिकम्पोस्त तैरी

- ❖ हाँस पालन
- ❖ मौमाछि पालन
- ❖ फल वागिचा (पेँपे ओ कला)

IV. कोरोना (COVID-19) भाईरसैर संकुरमण छुड़िये पड़ा ठैकाते ये ये निरापत्रामूलक ओ प्रतिरोध व्यवस्था ग्रहन करते हवे एवं मेने चलते हवे



- १। कुषकदेर चाषबासेर काजेर समय निरापत्रा व्यवस्था हिसावे एक जनेर थेके आरेक जनेर सामाजिक दुरतव्व बजाय राखते हवे। चाषिआ जमी चाष, बीज बपन, आगाछा नियत्रण, जलसेच देओया इत्यादि काजेर समय डाङ्गारि परामर्श मतो मुखोस (मास्क) परबेन, आर माबे माबे सावान-जल दिये हात धोबेन।
- २। यखन एकई कुषि यन्त्रपाति येमन - लाङ्गल, ट्राङ्क्तर, पाओयार टिलार, बीज बपन यन्त्र, निडानि यन्त्र, जलसेचेर पाप्प अनेके मिले पर पर भागाभागी करे व्यवहार करबेन, तखन खेयाल राखते हवे एई यन्त्रपातिगुलि येन सठिकभावे परिष्कार करा हय। कुषि यन्त्रपातिर ये ये अंश बार बार हात दिये स्पर्श करते हय, सेई अंशटा सावान जल दिये धुये निते हवे।
- ३। चाषेर काजेर फाँके अवसरेर समय, खाबार खाओयार समय, बीज शोषनेर समय एवं सार नामानो वा तोलार समय - पर्याप्त सामाजिक दुरतव्व (कम पक्षे ३-४ फुट) बजाय राखते हवे।
- ४। यतोटा संभव, कुषि काजे परिचित लोकेदेरई काजे लागान। ভালोभावे खोज खबर नियेई सेई मजुर काजे लागते हवे, याते कोनो कोरोना भाईरस बाहक कुषिकाजे आपनार अण्गले चले आसते ना पारे।
- ५। बीज ओ सार परिचित दोकान थेके किनबेन एवं दोकान थेके फिरे आसार परेई सावान जल दिये ভালोभावे हात धुये नेबेन। बाजारे बीज, सार इत्यादि किनते याबार समय अवश्यई मुखोस (मास्क) परबेन।
- ६। कोभिड-१९ भाईरस रोग संक्रांश जरुरि स्वास्थ परिसेवा विषये तथ्य जानार जन्य आपनार स्मार्ट मोबाईले 'आरोग्य सेतु' नामेर एप्लिकेशन सफ्टओयार व्यवहार करुन।



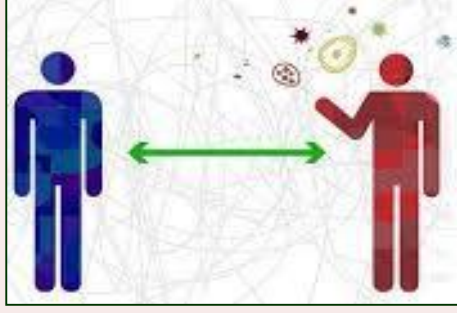
माबेमाबे सावान दिये हात धोयार अभास करुन

हँचि वा काषिर समय रुमाल वा टिसू कागज चापा दिन

बार बार चोख-मुख हात दिये स्पर्श करबेन ना

बाहरे सब समय मास्क वा मुखोस व्यवहार करुन

V. पाट कलेर (जूट मिल) कर्मचारिदर जन्य परामर्श



- पाट कल (जूट मिल) चालू राखार जन्य, पाट कलेर सीमानार मध्ये थाका कर्मचारिदर दिये छोटो छोटो ब्याचे, वारे वारे शिफ्ट करे काज चलाते हवे।
- पाट कलेर मध्ये आनेक जायगाय कलेर (जल) व्यवस्था करते हवे, याते कर्मचारिरी मावे मावे हात धुये निते पारैन। काज चलाकालीन अवस्थाय, कर्मचारिरी धूमपान करबेन ना।
- मिलेर शौचागार गुलि वार वार परिस्रार करते हवे, याते कर्मचारिरी रोगेर आक्रमणे ना पडेन।
- कर्मचारिदर, ग्लाउस, जूतो, मुख टाकार व्यवस्था एवंग अन्यान्य सुरक्षार जन्य परामर्श दिते हवे।
- मिलेर मध्येई, काजेर जायगा वार वार बदल करा येते पारे, याते कर्मचारिदर मध्ये पारामर्श मतो सामाजिक दूरत बजाय থাকे।
- ये सम कर्मचारिदर यन्त्रपातिर (मेशिनेर) अनेर स्थाने वार वार हात दिते हय, तादर जन्य आलादा भावे हात धोयार वा स्यानिटाईज करार व्यवस्था राखते हवे। एछाडांओ मेशिनेर ओई जायगांओलो वार वार सावान जल दिये परिस्रार करते हवे।
- वयस्क कर्मचारिदर अपेक्षकृत फाँका वा भिड कम जायगाय काज दिते हवे, याते तादर भाईरासेर संक्रमण ना हय।
- मिलेर कर्मचारिरी टिफिनेर समय वा अवसरेर समय भिड करे एक जायगाय आसबेन ना एवंग ७-८ फुट दूरत बजाय रेखेई हात धोबेन।
- यदि कौनो मिल कर्मचारिरी ई धरनेर शारीरिक समस्या देखा यय, तवे तिनी अबिलखे मिलेर डाक्टर वा मिल मालिकेर सडे योगायोग करबेन।



आपनादर सबाईके सुस्थ्य ओ निरापद थाकार जन्य शुभेच्छा जानाई

धारणा ओ प्रकाशनाः

डः गौराङ्ग कर,

निर्देशक,

भा.कृ.अ.प - त्रिन्जाफ,

नीलगण्ज, ब्यारकपुर,

कोलकाता-९००१२१, पश्चिमबङ्ग

Acknowledgement: The Institute acknowledges the contribution of Chairman and Members of the Committee of Agro-advisory Services of ICAR-CRIJAF; Heads/ Incharges of Crop Production, Crop Improvement and Crop Protection division, In-charges of AINPNF and Extension section of ICAR-CRIJAF and other contributors of their division/section; In-charges of Regional Research Stations of ICAR-CRIJAF and their team; In-charge AKMU of ICAR-CRIJAF and his team for preparing this Agro-advisory.

[Issue No: 05/2022 (7-21 March, 2022)]